भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 31

मंगलवार, 04 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत सहायता

***31. डॉ. सी. एम. रमेशः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ब्रांडिंग, प्रचार, कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, विपणन इत्यादि के उद्देश्य से एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले से एटिकोप्पाका लैक्योर वेयर खिलौनों की पहचान की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) एटिकोप्पाका खिलौनों को ओडीओपी योजना के तहत शामिल किए जाने के बाद से सरकार द्वारा इन खिलौनों के कारीगरों और इकाइयों को प्रदान की गई वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) ओडीओपी योजना के तहत एटिकोप्पाका खिलौनों को शामिल किए जाने के बाद से उपरोक्त के संबंध में अनुमोदित, संस्वीकृत, जारी और व्यय की गई धनराशि का वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार द्वारा एटिकोप्पाका खिलौने जैसे भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग वाले उत्पादों के लिए कोई विशेष मदद/सहायता प्रदान की जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ) : विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 04.02.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 31 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) : ओडीओपी कोई स्कीम नहीं बल्कि एक पहल है जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले के उत्पादों को बढ़ावा देना है। ओडीओपी पहल के तहत, संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) द्वारा उत्पादों की पहचान की जाती है तथा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के संबंधित विभागों द्वारा अंतिम रूप से तैयार सूची उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) को संसूचित की जाती हैं।

आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले के संबंध में, एटिकोप्पाका लैक्योरवेयर खिलौनों को ओडीओपी पहल के अंतर्गत प्राथमिक उत्पाद निर्धारित किया गया है।

ओडीओपी पहल के तहत, ब्रांडिंग, संवर्धन, कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, विपणन संबंधी निम्नलिखित प्रयासों पर फोकस करते हैं:

1. जिला विशिष्ट उत्पादों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों और व्यापार मेलों के जरिए पहचान दिलाना।
2. विशेष पहचान विकसित करना जो उत्पादों के सांस्कृतिक और परंपरागत मूल्यों को प्रदर्शित करती हो।
3. उत्पादकों, खरीदारों और खुदरा व्यापारियों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाना।
4. ओडीओपी उत्पादों की विजिबिलिटी और बिक्री बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और व्यापार मेलों का उपयोग करना।

(ख) और (ग) : ओडीओपी कोई स्कीम नहीं केवल एक पहल है। इस पहल के तहत डीपीआईआईटी द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाती है। डीपीआईआईटी द्वारा एटिकोप्पाका खिलौनों के कारीगरों और इकाइयों को प्रदान की गई अन्य सहायता का ब्यौरा निम्नलिखित है:

1. **डिजाइन जागरूकता कार्यशाला:** एनआईडी (राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान) के साथ मिलकर ओडीओपी पहल के तहत उत्पाद विकास, उत्पाद विविधीकरण और बाजार रूझानों के संबंध में डिजाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है ताकि कारीगरों और उत्पादकों के बीच कौशल अंतराल को दूर किया जा सके। विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 30 से अधिक डिजाइन जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।
   - कारीगरों को नए डिजाइन और बाजार के रुझानों का पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए अनाकापल्ली में एटिकोप्पाका खिलौनों के कारीगरों के लिए 2 दिवसीय डिजाइन जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई है।
2. **जेम ऑनबोर्डिंग:** ओडीओपी के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जेम) पर एक समर्पित स्टोरफ्रंट बनाया गया है। इस स्टोरफ्रंट का उद्देश्य, विभिन्न संबंधित मंत्रालयों, सरकारी निकायों और विदेशों में स्थित मिशनों द्वारा उपहार/कार्यालय उपयोग के लिए ओडीओपी उत्पादों की प्रत्यक्ष खरीद को सक्षम बनाना है। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश की 52 उत्पाद श्रेणियों और अनाकापल्ली से एटिकोप्पाका खिलौनों के 12 लाइव उत्पादों सहित 500 से अधिक ओडीओपी श्रेणियां मार्केटप्लेस पर मौजूद हैं।
3. **ओडीओपी कैटलॉग,** भारत में निर्मित 1000 से अधिक उत्पादों का संग्रह है। इस एक कैटलॉग में इत्र और सुगंधित तेल, स्पिरिट, चाय और कॉफी, रत्न एवं आभूषण, रेशम और शॉल जैसे विविध

प्रकार के उत्पाद शामिल हैं। इस कैटलॉग में अनाकापल्ली से एटिकोप्पाका खिलौने भी शामिल हैं, जिससे इन स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और इनकी दृश्यता बढ़ाने में सहायता मिलती है।

4. **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्पादों का प्रदर्शन:** एटिकोप्पाका खिलौनों सहित ओडीओपी उत्पादों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समारोहों और प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया जिसमें 14-27 नवंबर, 2024 तक भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली, 3 जनवरी 2024 को आत्मनिर्भर भारत उत्सव, नई दिल्ली, 26-29 फरवरी 2024 तक भारत टेक्स, नई दिल्ली, आसियान-भारत मिलेट महोत्सव (22-26 नवंबर 2023), जकार्ता, इंडोनेशिया आदि शामिल हैं।

5. **ओडीओपी पुरस्कार:** ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा देने में जिलों, राज्यों और भारतीय मिशन के असाधारण प्रयासों को मान्यता देने के लिए डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत ओडीओपी पुरस्कारों की शुरुआत की गई है। यह राज्य सरकार और जिला प्रशासन को राज्य और केंद्र की विभिन्न स्कीमों के जरिए ओडीओपी कारीगरों को सहायता करने तथा विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों का संवर्धन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

6. **ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म:** एटिकोप्पाका खिलौने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे एमेजॉन-ओडीओपी बाजार, फ्लिपकार्ट पर तथा 'लेपाक्षी' नामक ब्रांड के तहत राज्य द्वारा विकसित ई-कॉमर्स वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, एपीएचडीसी लि. (आंध्र प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड) के तहत आंध्र प्रदेश सरकार ने 'लेपाक्षी' नामक ब्रांड के अंतर्गत अपने 19 लेपाक्षी शोरूम के जरिए एटिकोप्पाका खिलौनों की मार्केटिंग के लिए भी कदम उठाए हैं। राज्य ने खिलौनों के प्रचार-प्रसार तथा मार्केटिंग के लिए 34वीं थीमेटिक एग्जिबिशन और 4 गांधी शिल्प बाजार में एटिकोप्पाका खिलौनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की है।

(घ) : एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) को बढ़ावा देने के लिए किए गए सभी उपायों जैसे क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, प्रोत्साहन संबंधी कार्यक्रम और प्रदर्शनियां, ई-कॉमर्स में शामिल करना, क्रेता विक्रेता बैठकें आदि, में ओडीओपी के तहत सूचीबद्ध भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग वाले उत्पादों का प्रचार-प्रसार भी शामिल है। भारत में जीआई टैग वाले 658 उत्पाद हैं जिनमें से 262 उत्पाद ओडीओपी श्रेणी वाले हैं। भारत सरकार ने जीआई टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहलें की हैं जैसे भौगोलिक संकेतकों संबंधी जागरूकता कार्यशाला, विज्ञापन और प्रचार अभियान, जीआई उत्पादकों के क्षमता निर्माण और सहायता के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ संपर्क, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी। जीआई उत्पादों सहित ओडीओपी उत्पादों की आउटरीच के लिए ओडीओपी पहल, विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ भी सक्रिय रूप से सहयोग करती है।

*****